भारत वर्ष के यज्ञ इतिहास में प्रथम वारी मूल्य शिक्षा एवं आध्यात्म अनुस्नातक डिप्लोमा पाठयक्रम का गुजरात की जेल-अहमदाबाद में शुभारंभ

गुजरात के अहमदाबाद महानगर में ब्रह्माकुमारीझ एवं अन्नामलाई विश्व विद्यालय के संयुक्त प्रयास से अनुस्नातक डिप्लोमा का सम्पर्क कार्यक्रम का दिनांक ३ जनवरी,२०११ को साबरमती सेन्ट्रल जेलमें शुभ आरम्भ हुआ। इस कार्यक्रम में ८५ बंदीवान भाई भाग ले रहे है। ब्रह्माकुमारीझ द्वारा उनके लिए १२ दिन के प्रशिक्षण की सुन्दर व्यवस्था भी की हुई है। यह प्रशिक्षण कार्य के शुभारंभ के पहले जेलमें एक सादा उद्घाटन समारोह भी आयोजीत किया गया। यह उद्घाटन समारोह सेन्ट्रल जेल के सुप्रिन्टेन्डेन्ट श्री आर. जे. पारघी के साथ-साथ ब्रह्माकुमारीझ गुजरात के डायरेक्टर राजयोगीनी सरला दीदी, शिक्षा प्रभाग के उपाध्याक्ष श्री मृत्युजंय भाई, अन्नामलाई युनिवर्सिटी के प्रोग्राम डायरेक्टर पाण्डेमणी भाई, शिक्षा वींग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरीश शुक्ल ने संबोधन किया।

यह ८५ विद्यार्थीयों में अनेक इन्जीनीयर, डॉक्टर, प्रोफेसर, वकील, व्यापारी, शिक्षक एवं अधिकारीयों का समावेश होता है। समग्र भारतमें गुजरात की साबरमती सेन्ट्रल जेलमें आयोजीत यह एक विशिष्ठ और सर्व प्रथम अभ्यासक्रम है। जेलमें रहकर अपने आपमें परीक्षा देने के प्रसंग पहले भी बने हुये है, परन्तु इस प्रकार १२ दिन तक अभ्यासक्रम का प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम भारत वर्ष के यज्ञइतिहास में सर्व प्रथम बार ही हो रहा है। यह भारत वर्ष का एक ऐतिहासिक कदम है। यह प्रशिक्षण में अनुभवी प्रशिक्षको द्वारा ध्यान, योग, मूल्यशिक्षा के वर्गो के साथ-साथ रचनात्मक मेडीटेशन, क्वीझ स्पर्धा, विडीयो शॉ, प्रश्न-उत्तर, अनुभवो की लेन-देन, वांचन एवं लेखन कार्य जैसी विविध पद्धति से होगा। जेल प्रशासन का बंदीवानो के प्रति यह शुभ आश्रय प्रशंसनीय है। यह मानवीय भावनाओ की जीत है। सभी व्यक्ति यह अभ्यासक्रम को अपना कर भविष्यमें भारत देश का एक उत्तम एवं जवाबदार नागरिक की भूमिका जरूर निभायेगा।

जेल के सुप्रीन्टेन्डेन्ट आर. जे. पारघी ने पाठयाक्रम में भाग लेनेवाले सभी विद्यार्थीयों को अपनी शुभकामनायें देते हुये कहा कि, उन्हों के लिये यह एक सुवर्ण मौका है, जिसका प्रयोग वह अपने जीवन को मूल्यवान बनाने के लिये कर सकेंगे। कार्यक्रम का मंगलदीप प्रज्जवलन कर आर्शीवचन देते हुये ब्रह्माकुमारीझ गुजरात के डायरेक्टर राजयोगीनी सरला दीदी ने सभी बंदीवान भाईयों को कहा कि, आप सभी भाग्यशाली हो कि, अन्नामलाई युनिवर्सिटी को इतिहास में सबसे पहले जेलमें मूल्य शिक्षा का निःशुल्क कोर्ष शुरू किया है। संस्था के प्रशिक्षको १२ दिन तक सुबह से शाम तक उन्होंने निस्वार्थ प्रशिक्षण प्रदान कर मार्गदर्शन करेंगे। शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष मृत्युंजय भाई ने सर्व विद्यार्थीयों को नम्र निवेदन किया कि, यह कोर्ष के माध्यम से वह अपने मन को सुधारेंगे क्योंकि, हर एक प्रकार के नकारात्मकता का जन्म मन में होता है। मन में परिवर्तन लाने से जीवन में अवश्य परिवर्तन होगा ही। शिक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरीश शुक्ल ने शुभेच्छा देते हुये कहा कि, यह कोर्ष के माध्यम से गुजरात की जेलों में एक नई आध्यात्मिक क्रांति की शुरुआत होगी। अब परमात्मा का हाथ भी आपके मस्तक पर है, तो महानता नई दिव्यता आपके सभी विद्यार्थीयों में प्रगट हो ऐसी शुभकामना। आसी. सुप्रिन्टेन्डेन्ट भ्राता जी. एस. खेरा ने आभार व्यक्त किया। इस प्रसंग पर सीनीयर जेलर भ्राता मकवाणा एवं भ्राता वणकरजी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की संपूर्ण जानकारी गुजरात के रीजीयोनल कॉडीनेटर ब्र. कु. नंदिनी बहन ने देते हुये सफल मंच संचालन भी किया।